देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

प्रेस–विज्ञप्ति

इन्दौर, 23 अक्टूबर 2024। विश्वविद्यालय कार्यपरिषद् की बैठक आज नालंदा परिसर, में सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम कुलगुरु प्रो. राकेश सिंघई जी का, माननीय कार्यपरिषद् सदस्यों ने पुष्पों द्वारा स्वागत किया । बैठक के प्रारंभ में कार्यपरिषद् के माननीय सदस्यों द्वारा दिनांक 19 सितम्बर 2024 को विश्वविद्यालय दीक्षांत समारोह के सफलतम आयोजन हेतु विश्वविद्यालय प्रशासन के प्रति धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया गया।

विश्वविद्यालय में कार्यरत संविदा व्यख्याताओं के वेतन में समरूपता लाने हेतु एक समिति के गठन के प्रस्ताव को कार्यपरिषद् ने मान्य किया। विद्या परिषद् की स्थाई समिति की अनुशंसा अनुसार पी.एच.डी. Vive-Voce, शोध केन्द्र के बजाय विश्वविद्यालय के नालंदा परिसर में आयोजित करने को कार्यपरिषद् ने स्वीकृति प्रदान की। कार्यपरिषद् ने निर्णय लिया कि विश्वविद्यालय में अधोसंरचना निर्माण हेतु सिविल वर्क के संबंध में पुर्नविचार की आवश्यकता है। अंर्तविश्वविद्यालय राज्यस्तरीय युवा उत्सव 2024–25 के आयोजन पर अनुमानित व्यय लगभग 24 लाख 85 हजार की राशि को कार्यपरिषद् ने मान्य किया। अध्ययनशालाओं एवं प्रशासकीय कार्यालायों के लिए 283 नये डेस्क टॉप कम्प्यूटर क्रय करने के प्रस्ताव को कार्यपरिषद् ने स्वीकृति प्रदान की। जीवन विज्ञान अध्ययनशाला में बी.एस.सी. एग्रीकल्चर (ऑर्नस) पाठ्यक्रम हेतु लगभग 25 लाख के बजट प्रावधान की अनुशंसा मान्य की गई। वाणिज्य अध्ययनशाला के आडिटोरियम में एकास्टिक इंटीरियर कार्य हेतु लगभग 1 करोड़ 15 लाख रू. स्वीकृत किए गये साथ ही कार्यपरिषद् सदस्य श्री अनंत पवांर ने सुझाव दिया कि नालंदा परिसर स्थित दरबार हाल भी सुसज्जित किया जाए, उन्होने यह भी सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय में शिक्षको एवं विद्यार्थियों की उपस्थिती बायोमेट्रिक के माध्यम से सुनिश्चित की जाए।

कार्यपरिषद् सदस्य श्री पंवार एवं प्रो. रजनीश जैन जी ने सुझाव दिया कि ''डीएवीवी विजन–2047'' के लिए एक विस्तृत कार्य योजना बनाई जाए। कार्यपरिषद् सदस्य श्री ओम शर्मा जी ने सुझाव दिया कि ''एक राष्ट्र–एक चुनाव'' के प्रति जागरूकता प्रदान करने हेतु सेमिनार आयोजित किए जाए। कार्यपरिषद् सदस्य डॉ. ए.के. द्विवेदी ने प्रस्ताव रखा कि नशामुक्ति के प्रति जागरूकता हेतु विद्यार्थियों के लिए, विशेषज्ञों की मदद से प्रत्येक अध्ययनशाला में कार्यक्रम आयोजित किए जांए। डॉ. वैशाली वाईकर जी ने सुझाव दिया कि विद्यार्थियों के लिए मेन्टरशिप प्रोग्राम आयोजित किए जाए। माननीय कुलगुरु प्रो. सिंघई जी ने कहा कि हम, जिन स्ववित्त अध्ययनशालाओं में नियमित शिक्षक नही हैं वहां नियमित शिक्षकों के पदों को शासन द्वारा स्वीकृत कराने का हर संभव प्रयास करेंगे एवं विद्यार्थियों हेतु होस्टल में समुचित सुविधा प्रदान कराना हमारी प्राथमिकता होगी।

बैठक के अंत में कार्यपरिषद् ने टाटा समूह के अध्यक्ष श्री रतन टाटा एवं देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के भूतपूर्व कुलपति प्रो. महेन्द्र सिंह सोढ़ा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए दो मीनिट का मौन रखकर उन्हे श्रृद्धांजली अर्पित की।

डॉ. चन्दन गुप्ता
मीडिया प्रभारी